संक्षेप में

यूएसएफडीए ने पूरा किया मैक्सिको संयंत्र का निरीक्षण

दवा निर्माता डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक ने मैक्सिको में इसके एपीआई क्यूरनावाका संयंत्र का ऑडिट पूरा कर लिया है। कंपनी ने बीएसई को दी जानकारी में कहा कि इस ऑडिट में यूएसएफडीए को कुछ नहीं मिला। बीएसई पर डॉ. रेड्डीज का शेयर 0.50 फीसदी बढ़कर 2,759.75 रुपये पर बंद हुआ। *एजेंसियां*

अप्रैल में हुए 140 नए एफपीआई के पंजीकरण

सेबी में अप्रैल में करीब 140 विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने पंजीकरण कराया। यह इस बात का संकेत है कि भारत अब भी निवेश के लिहाज से आकर्षक गंतव्य बना हुआ है। सेबी का यह नवीनतम आंकड़ा ऐसे वक्त आया है जब पिछले वित्त वर्ष में 3,500 नए विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने पंजीकरण कराया था। विशेषज्ञों का कहना है कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक भारत के वृहद आर्थिक स्थायित्व, दीर्घकालिक वृद्धि संभावनाओं और वर्तमान आर्थिक सुधार को देखते हुए उसे तरजीही वाला और स्थिर बाजार समझता है। *भाषा*

विप्रो की अमेरिकी चुनौती

कंपनी को ओबामाकेयर पर स्थिति नवंबर तक साफ होने की उम्मीद

आयान प्रामाणिक
बेंगलूरु, 21 जुलाई

प्रमुख सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी विप्रो ने उम्मीद जताई है कि नवंबर तक अमेरिकी स्वास्थ्य बीमा कानून 'ओबामाकेयर' के भविष्य को लेकर स्थिति साफ हो जाएगी। कंपनी के मुख्य कार्याधिकारी आबिदअली नीमचवाला ने कहा है कि कंपनी को उम्मीद है कि अमेरिकी कानून ओबामा केयर के बरकरार रहने अथवा ट्रंप प्रशासन द्वारा उसका कोई विकल्प उपलब्ध कराने के संबंध में अमेरिकी सरकार का रुख स्पष्ट हो जाएगा।

कंपनी ने कहा है कि तब तक अमेरिकी स्वास्थ्य सेवा कारोबार से प्राप्त उसका राजस्व प्रभावित हो सकता है जिससे हाल की तिमाहियों के दौरान उसकी रफ्तार सुस्त हो सकती है। पिछले सप्ताह अमेरिकी सीनेट ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के नाम पर बनाए गए इस कानून को खत्म करने अथवा उसमें संशोधन करने के ताजा प्रयास को निरस्त कर दिया।

ओबामा के उत्तराधिकारी डॉनल्ड ट्रंप ने अपने चुनाव अभियान में ओबामाकेर को खत्म करने का वादा किया था। हालांकि उसका कोई विश्वसनीय विकल्प भी तलाशा जा सकता है जो राजनीतिक रूप से आकर्षक हो। लेकिन फिलहाल ऐसा कोई विकल्प सामने नहीं आया है।

फरवरी 2016 में विप्रो ने हेल्थप्लान सर्विसेज का अधिग्रहण किया था जो स्वास्थ्य बीमा के लिए आईटी सेवा प्रदान करने वाली फ्लोरिडा की कंपनी है। लेकिन अब वह ऐसे करीब 50 ग्राहकों को खो चुकी है जो लाखों स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियों को आसान बनाने के लिए इस प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर रहे थे।

नीमचवाला ने बिजनेस स्टैंडर्ड से कहा, 'मुझे लगता है कि नवंबर, अक्टूबर या नवंबर से पहले अगले साल के लिए खुले तौर पर पंजीकरण का समय आता है और तब तक स्थिति काफी हद तक स्पष्ट हो जाएगी। अन्यथा मुझे नहीं लगता कि करीब 2 करोड़ लोगों को बिना बीमा के छोड़ दिया जाएगा। इसलिए स्थिति स्पष्ट हो जानी चाहिए।'

अमेरिका में स्वास्थ्य बीमा की खरीदारी स्वास्थ्य एक्सचेंज अथवा मार्केटप्लेस के जरिये की जाती है और विप्रो इन एक्सचेंजों को सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म मुहैया कराती है।

जून तिमाही के दौरान कंपनी के कुल 1.97 अरब डॉलर के राजस्व में स्वास्थ्य बीमा एवं लाइफ साइंस कारोबार का योगदान 15 फीसदी से थोड़ा कम रहा। कंपनी ने इस कारोबार से 29.2 करोड़ डॉलर राजस्व प्राप्त किया जो पिछली तिमाही के मुकाबले 3.1 फीसदी कम है। नीमचवाला ने कहा कि पिछली चार तिमाहियों के दौरान रन रेट के आधार पर विप्रो को केवल इस कारोबार में करीब 12 करोड़ डॉलर के राजस्व का नुकसान हुआ। जुलाई से सितंबर तिमाही के अनुमान में विप्रो ने स्वास्थ्य सेवा कारोबार में नरमी के प्रभाव का जिक्र किया था।

अमेरिकी चुनौतियां

- फरवरी 2016 में विप्रो ने हेल्थप्लान सर्विसेज का अधिग्रहण किया था जो स्वास्थ्य बीमा के लिए आईटी सेवा प्रदान करने वाली फ्लोरिडा की कंपनी है
- अब वह ऐसे करीब 50 ग्राहकों को खो चुकी है जो लाखों स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियों को आसान बनाने के लिए इस प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर रहे थे

बीएस बातचीत

'परिचालन योजना नहीं है 15 अरब डॉलर का लक्ष्य'

विप्रो ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन दर्ज किया और ऐसा लगता है कि उसके बुरे दिन अब खत्म हो चुके हैं। कंपनी स्वचालन, कृत्रिम बौद्धिकता में अपने निवेश से वृद्धि और बीएफएसआई (बैंकिंग, वित्तीय सेवा एवं बीमा), ऊर्जा एवं यूटिलिटी से कारोबार में तेजी की उम्मीद कर रही है। कंपनी के सीईओ **आबिदअली नीमचवाला** की **आयान प्रामाणिक** और **रघु कृष्णन** से हुई बातचीत के मुख्य अंश:

क्या नए ग्राहक कम मूल्य के साथ आ रहे हैं?
यह उस सेवा पर निर्भर करता है जो हम ग्राहकों को मुहैया कराते हैं। हमारे सभी नए ग्राहक जिन्हें हम डिजिटल सेवाएं मुहैया कराते हैं, वे बेहतर मूल्य के साथ आ रहे हैं। लेकिन जिन ग्राहकों को हम पारंपरिक सेवाएं मुहैया कराते हैं वहां मूल्य पर थोड़ा दबाव दिख रहा है। डिजिटल में हमारी विशेषज्ञता अनोखी है और इसलिए हम मूल्य निर्धारण के लिहाज से बेहतर स्थिति में हैं।

आपके कार्यभार संभालने के बाद करीब पांच तिमाही बीत चुकी हैं। भारतीय आईटी सेवा उद्योग और खासकर विप्रो के लिए बाजार में क्या बदलाव हुआ है?
हम काफी भाग्यशाली रहे हैं क्योंकि पांच तिमाही पहले हम जिन चीजों को नहीं जानते थे वे अब घटित हुई हैं। लेकिन चूंकि हमारी रणनीति अच्छी थी, इसलिए हमारे ऊपर उसका नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा। उनमें से एक था स्थानीयकरण। हमने पिछले साल पहली तिमाही के दौरान अपनी रणनीति की घोषणा की थी और उस समय कोई ट्रंप या ब्रेक्सिट नहीं था। उस रणनीति ने काफी अच्छा काम किया। यदि आप गौर करेंगे तो पाएंगे कि स्थानीयकरण में हम उद्योग के मुकाबले आगे हैं और उससे हमारा मार्जिन प्रभावित हुआ था। लेकिन हमारा मानना है कि दीर्घावधि में वह हमारे लिए फायदेमंद साबित होगा। बाहरी परिदृश्य में भी उल्लेखनीय सकारात्मक बदलाव हुआ है। जब मैंने अपना कार्यभार संभाला था तो तेल मूल्य 20 डॉलर प्रति बैरल तक घट चुका था जो फिलहाल 40 से 50 डॉलर प्रति बैरल है। यह हमारे लिए अच्छी खबर है। इसलिए हमारे ऊर्जा और यूटिलिटी कारोबार का प्रदर्शन अच्छा रहा है।

बड़े सौदों के बारे में ग्राहक क्या कह रहे हैं? क्या बड़े सौदे अब खत्म चुके हैं?
खत्म होना एक चरम स्थिति है। बड़े सौदों की संख्या पहले के मुकाबले घटी है। काम करने का तरीका अब बदल चुका है।

पिछली कुछ तिमाहियों के दौरान विप्रो की तय मूल्य अथवा परिणाम आधारित परियोजनाओं में उल्लेखनीय तेजी आई है। क्या यह आगे भी बरकरार रहेगा?
यह प्रवृत्ति काफी समय से है और मैं समझता हूं कि इसमें तेजी आएगी। हमारे साथ ग्राहकों को सुविधा बढ़ने के साथ ही वे तय मूल्य वाली और परियोजनाएं देंगे। तय मूल्य वाली परियोजनाओं में हमें लागत व्यवस्थित करने का फायदा मिलता है जिससे मार्जिन को बल मिलता है।

पिछले साल आपने करीब 15 अरब डॉलर के लक्ष्य की बात कही थी। क्या आप उस राह पर अग्रसर हैं?
यह एक महत्वाकांक्षा है। यह उस राह की ओर अग्रसर होने के लिए काम करने में मदद करता है। यह संख्या महत्त्वपूर्ण नहीं है। क्या हम यह कहेंगे कि हम 15 अरब डॉलर तक नहीं पहुंचेंगे। क्या हम अपनी महत्वाकांक्षा को पूरा नहीं कर सकते। हां, हम उसे पूरा कर सकते हैं। वह कोई परिचालन योजना नहीं है। हम अपनी रणनीति और दिशा को लेकर काफी सहज महसूस करते हैं।

दि करुर वैश्य बैंक लिमिटेड
KVB Karur Vysya Bank
Smart way to bank
181-182, ओल्ड जी टी रोड,
क्लॉक टॉवर के निकट, करनाल-132 001

दिनांक: 20.07.2017

ई - निविदा - ई - नीलामी द्वारा नीलामी बिक्री

माननीय ऋण वसूली प्राधिकरण-I, दिल्ली के समक्ष दायर ओए नं. : 690/2016 में आईए सं.: 1677/2016 में दिनांक 06.05.2017 के आदेश के मद्देनजर **मैसर्स महेश इंडस्ट्रिज (प्रा.) लि.** के ऋण खाते के लिए दि करुर वैश्य बैंक लिमिटेड के पास हाइपोथिकेटेड नीचे उल्लिखित मदों की जैसे है जहां है के आधार पर ई-निविदा-सह-ई-नीलामी के माध्यम से नीलामी बिक्री की जाएगी।

नीलामी का स्थान	दि करुर वैश्य बैंक लिमिटेड करनाल शाखा ऑनलाइन **https://kvp.auctiontiger.net** के जरिए
निरीक्षण की तारीख एवं समय	दिनांक 05.08.2017 अपराह्न 2.30 बजे एवं अपराह्न 5.00 बजे के बीच
नीलामी की तारीख एवं समय	दिनांक 08.08.2017 दोपहर 12.30 बजे एवं अपराह्न 1.00 बजे के बीच प्रत्येक 5 मिनट के असीमित विस्तारीकरण के साथ

सम्पत्तियों का विवरण

क्र. सं.	विवरण	आरक्षित मूल्य (रु.)	ईएमडी (रु.)
1.	एसवाई. नं.: 22/1, वरसाना चौक, वरसाना अंजर, गाँधीधाम में पड़ी हुई परिमाप लगभग 108686.85 घन फीट विभिन्न प्रकार की लकड़ियों का स्टॉक	3,50,00,000.00	35,00,000.00

महत्वपूर्ण नियम एवं शर्तें

1. भाग लेने से पहले दि करुर वैश्य बैंक लिमिटेड के पक्ष में आहरित, गाँधीधाम शाखा/करनाल शाखा में भुगतेय डी.डी. के रूप में आरक्षित मूल्य का 10% ईएमडी का भुगतान करना होगा।
2. सफल बोलीदाता के पक्ष में बिक्री को अंतिम रूप दिए जाने पर, पहले से जमा की गई रकम के साथ उन्हें अविलम्ब अथवा बैंक के अगले कार्यकारी दिवस को अपराह्न 05.00 बजे से पहले नीलामी में निर्धारित मूल्य की 25% राशि भी जमा करनी होगी, अन्यथा निविदा रद्द कर दी जाएगी तथा सफल बोलीदाता द्वारा जमा की गई ईएमडी की राशि जब्त कर ली जाएगी।
3. विभिन्न लॉटों के रूप में बिक्री की जाने पर, इच्छुक बोलीदाता सभी लॉटों के लिए अथवा निर्धारित लॉटों के लिए भागीदारी कर सकते हैं तथा जिन लॉटों के लिए कोई व्यक्ति बोली लगाना चाहते हैं तो उन्हें तद्नुसार ईएमडी की राशि जमा करनी होगी।
4. एतद्द्वारा इच्छुक बोलीदाताओं को अपने व्यय पर गुणवत्ता तथा परिमाण के संबंध में स्टॉकों का निरीक्षण करने की सलाह दी जाती है तथा बोली जमा किए जाने पर यह समझा जाएगा कि उनकी संतुष्टि के अनुसार स्टॉक की जांच एवं निरीक्षण किया जा चुका है।
5. बोलियां जमा किए जाने पर यह समझा जाएगा कि इच्छुक क्रेता स्टॉकों के परिमाण एवं गुणवत्ता के बारे में संतुष्ट हैं तथा उनके द्वारा स्टॉकों का निरीक्षण किया जा चुका है।

और अधिक विवरण के लिए श्री सत्यनारायणा सी से 9996244669, शाखा प्रधान, करनाल शाखा से सम्पर्क करें।

बिक्री सूचना का यह संक्षिप्त स्वरूप मात्र है तथा बिक्री के विस्तृत नियम एवं शर्तें **https://kvp.auctiontiger.net** से डाउनलोड की जा सकती है।

शाखा प्रधान
कृते करुर वैश्य बैंक लि.
करनाल शाखा

सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेटस एंड एन्फोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 (कानून) की धारा 13(2) के अंतर्गत सूचना

अनु. क्र.	कर्जदाता (ओं) का नाम और पता (पते)(अे) (ए)	कर्ज राशि (रू.) (बी)	गिरवी संपत्ति का विवरण (सी)	बकाया राशि (रू.) (डी)
1.	**श्री. / श्रीमती** **1. शिवा आईरन** **2. अमित नागरानी** **3. कमला (उर्फ) कमला नागरानी** **4. सुमित नागरानी** **सभी :** प्रोपर्टी बिअरींग नं.10, पहली मंजिल, ब्लॉक और पॉकेट बी -2, सीएनजी पंप के पास, सेक्टर 11, रोहिणी, दिल्ली- 110085. **साथ ही सभी :** प्रोपर्टी बिअरींग नं.10, दुसरी मंजिल, ब्लॉक और पॉकेट बी -2, सीएनजी पंप के पास, सेक्टर 11, रोहिणी, दिल्ली- 110085. **पत्रप्राप्तकर्ता नं. 1,2 और 4 : यहां भी :** मेसर्स. शिवा आयर्न, एल-12/जे-40, गली नं. 8 और 9 के बीच, आनंद पर्वत, न्यू रोहतक रोड, **दिल्ली-110005.**	रू.**48,42,636/-** (रूपये अड़तालीस लाख बयालीस हजार छह सौ छत्तीस मात्र) के लिए कर्ज खाता क्र. **HLAPEOK00200150**	**संम्पत्ति है -** **संम्पत्ति नं. 1 -** संपत्ति बिअरींग नं.10, पहली मंजिल रूफ राईटस के बिना, ब्लॉक और पॉकेट बी -2,सीएनजी पंप के पास, सेक्टर 11, रोहिणी, दिल्ली- 110085 और **संम्पत्ति नं. 2 -** संपत्ति बिअरींग नं.10, दुसरी मंजिल रूफ राईटस के साथ, ब्लॉक और पॉकेट बी -2,सीएनजी पंप के पास, सेक्टर 11, रोहिणी, दिल्ली- 110085 **(अधिक विस्तृत वर्णन अनुसूची-ए में दिया गया है)**	रू. **47,49,598/-** (रूपये सैतालीस लाख उनचास हजार पाँच सौ अठ्ठानवे मात्र) **11.07.2017** के अनुसार **@ 12.50%** प्रति वर्ष की दर से भावी ब्याज के साथ **12.07.2017** से प्रभावी होकर भुगतान की वास्तविक तिथि तक.

कि ऊपर लिखे नाम वाला उधार लेने वाला(ले) ने ऋण खाते के वित्तीय अनुशासन को बनाए रख पाने में असफल रहे हैं तथा कंपनी द्वारा अपनी आम बिजनेस चर्या में रखे जाने वाले खातों के अनुसार प्रत्येक उधार पाने वाले (लों) के नाम के आगे स्तंभ डी में विनिर्दिष्ट धनराशि बकाया बनी हुई है । उधार लेने वाले(लों) की ओर से ऋण धनराशि का पुनर्भुगतान में लगातार चूक होने के कारण उधार लेने वाले(लों) के ऋण खाते को कंपनी द्वारा सीमांकित मापदंडो के भीतर निष्पादनेतर परिसंपत्तियों के रूप में वर्गीकृत किया गया है । परिणामस्वरूप प्रत्येक उधार लेने वाले को अधिनियमन की धारा 13(2) के अंतर्गत सूचनाएं भी जारी की गई है, उपर्युक्त को दृष्टिगत रखते हुए कंपनी एतद्द्वारा ऊपर लिखे नाम वाले उधार लेने वाले(लों) का आहवान करती है कि, वे इस सूचना के प्रकाशित होने के दिन से 60 दिन के भीतर अद्यतन ब्याज, लागतें, तथा शुल्कों सहित ऊपर स्तंभ डी में विनिर्दिष्ट संपूर्ण बकाया देयताओं का भुगतान करके कंपनी के प्रति बनने वाले अपने / उनके पूर्ण दायित्वों का निर्वहन करें, ऐसा न करने पर कंपनी ऊपर के स्तंभ सी में उल्लिखित बंधक रखी गई संपत्ति को अधिग्रहीत करने के लिए कंपनी पात्र होगी । कृपया ध्यान दें कि सरफेसी कानून की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों के अनुसार, "कर्जदार सार्वजनिक नीलामी द्वारा, कोटेशन आमंत्रित करते हुए, सार्वजनिक निविदा या निजी समझौते द्वारा सुरक्षित आस्तियों की बिक्री के लिए सूचना के प्रकाशन के दिनांक तक केवल सिक्योर्ड क्रेडिटर द्वारा किए गए सभी खर्चों, लागतों और प्रभारों के साथ संपूर्ण बकाया देय राशि अदा कर सकता है, इसके अलावा यह भी ध्यान दें कि उपरोक्त विधिक रूप से निर्धारित समयावधि के अंदर सुरक्षित आस्ति का मोचन करने में कर्जदार विफल रहने पर कर्जदार संपत्ति का मोचन करने के लिए पात्र नहीं हो सकता" तथा विधि में कंपनी को उपलब्ध रूप से अन्य ऐसी भी कार्रवाइयां भी की जाएंगी की, आप यह जान लें कि, उधार लेने वाले (एकाधिक) पर एतद्द्वारा पृथक करने (अंतरण, विक्रय, पट्टे या अन्य प्रकार सहित) या तृतीय पक्ष का हित सृजित करने या कंपनी की विशिष्ट लिखित पूर्वानुमति के बिना किसी भी प्रकार से बंधक रखी गई संपत्ति का सौदा करने पर रोक लगाई जाती है । यह जान लें कि, इसका कोई उल्लंघन करने पर एक वर्ष की अवधि तक की कैद या जुर्माना या दोनों से दण्डनीय होगा ।

अनुसूची ए
(सुरक्षित संपत्ती का ब्यौरा)

संम्पत्ति नं. 1 - संपत्ति बिअरींग नं.10, पहली मंजिल रूफ राईटस के बिना, एरिया मापित **90** स्क्वे. मीटर्स, ब्लॉक और पॉकेट बी -2 में सेक्टर 11, रोहिणी रेसिडेंशियल स्कीम के लेआऊट प्लान में स्थित, रोहिणी, दिल्ली- 110085 और संपत्ति बेअरींग नं. **10**
जो निम्ननुसार परिबध्द है -
पूर्व - प्लॉट नं. 11 **पश्चिम - प्लॉट नं. 09** **उत्तर - सर्विस लेन 3 मीटर्स** **दक्षिण - रोड 8 मीटर्स**

संम्पत्ति नं. 2 - संपत्ति बिअरींग नं.10, दुसरी मंजिल रूफ राईटस के साथ, एरिया मापित **90** स्क्वे. मीटर्स, ब्लॉक और पॉकेट बी -2 में, सेक्टर 11 रोहिणी रेसिडेंशियल स्कीम के लेआऊट प्लान में स्थित, रोहिणी, दिल्ली- 110085 और संपत्ति बेअरींग नं. **10**
जो निम्ननुसार परिबध्द है -
पूर्व - प्लॉट नं. 11 **पश्चिम - प्लॉट नं. 09** **उत्तर - सर्विस लेन 3 मीटर्स** **दक्षिण - रोड 8 मीटर्स**

स्थान: दिल्ली
कृते इन्डियाबुल्स हाउसिंग फाइनेन्स लि.
प्राधिकृत अधिकारी

OMAXE
Turning dreams into reality
OMAXE LIMITED
(**CIN:** L74899HR1989PLC051918)
Regd. Office: Shop No.19- B, First Floor, Omaxe Celebration Mall, Sohna Road, Gurgaon-122001, Haryana
Corp. Office: Omaxe House, 7, LSC, Kalkaji, New Delhi-110019
Tel: +91-11-41896680-85
Fax: +91-11-41896653
Website: www.omaxe.com
Email: secretarial_1@omaxe.com

NOTICE

Notice is hereby given pursuant to Regulation 29 read with Regulation 47 and other relevant Regulations of SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, that the meeting of Audit Committee and Board of Directors of the Company will be held on Saturday, the 29th Day of July, 2017 at New Delhi, to consider and approve, rectification of typographical errors in the Audited Financial Results (Standalone and Consolidated) of the Company for the Financial Year ended on March 31, 2017, sent to the stock exchanges.

Further, in accordance with the applicable regulations of SEBI (Prohibition of Insider Trading) Regulations, 2015, the "Trading Window" for dealing in Equity Shares of the Company shall remain closed from Saturday, 22th Day of July, 2017 till the end of business hours on Monday, 31st Day of July, 2017, that is 48 hours after the Standalone and Consolidated Audited Financial Results are submitted to the Stock Exchanges.

This notice is also available on Company's website i.e. www.omaxe.com and on websites of the Stock Exchange(s) i.e. www.bseindia.com and www.nseindia.com, where the Shares of the Company are Listed.

For OMAXE LTD.
Sd/-
(Rohtas Goel)
Chairman & Managing Director
Gurgaon
21.07.2017

एशियन ऑयलफील्ड सर्विसेज लि.
सीआईएन : L23200HR1992PLC052501
पंजीकृत कार्यालयः यूनिट नं. 1110, 11वां तल, "जेएमडी मेगापोलिस", सेक्टर–48, सोहना रोड, गुडगांव–122 018, हरियाणा
फोन नं.: 0124–6606400 **फैक्स :** 0124–660 6406
ईमेलः secretarial@asianoilfield.com
वेबसाइट : www.asianoilfield.com

सूचना

सेबी (सूचीबद्ध दायित्व और प्रकटन आवश्यकता) नियमावली, 2015 के नियम 29 के अनुसार एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि अन्य विषयों के साथ कंपनी के पंजीकृत कार्यालय को हरियाणा राज्य से महाराष्ट्र राज्य में स्थानांतरण, शेयरधारकों और केंद्र सरकार के अनुमोदन के तहत, पर विचार करने हेतु कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक कंपनी के पंजीकृत कार्यालय स्थित 3–ए, ओमकार स्क्वेयर, चूनाभट्टी सिगनल, ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे, सायन (ईस्ट), मुंबई–400022 में शुक्रवार, 28 जुलाई, 2017 को पूर्वा. 11.00 बजे आयोजित की जायेगी।

हिते **एशियन ऑयलफील्ड सर्विसेज लि.**
हस्ता./–
स्थान : गुडगांव **कनिका भूटानी**
दिनांक : 21.07.2017 **कंपनी सचिव**

ASHIANA ISPAT LIMITED
ASHIANA GROUP A Symbol of Quality
CIN: L27107RJ1992PLC006611
Regd. Office: A-1116, PHASE-III, RIICO INDUSTRIAL AREA, DIST.-ALWAR (RAJASTHAN) BHIWADI- 301 019
Website: www.ashianaispat.in

NOTICE

Notice is hereby given pursuant to provisions of Regulation 29, 30 read with Regulation 47 and other applicable Regulations of SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, that Meeting of the Board of Directors of the Company will be held on Tuesday, the 1st day of August, 2017 at 2.30 P.M. at the Registered Office of the Company, inter-alia:

1. To consider and approve the raising of funds by way of issue of Equity Shares on Preferential basis to Promoters and Public.
2. Approving the relevant date as per SEBI (ICDR),2009
3. Re-classify the status of certain persons/entities of Promoter as Public,
4. Fixation of the date of 25th Annual General meeting and book closure,
5. Recommendation for re-appointment of Director liable to retire by rotation.
6. Recommendation for the appointment of Statutory Auditors of the Company
7. To approve the unaudited financial results along with limited review report for the quarter ended June 30, 2017.
8. To increase the borrowings limits exceeding the aggregate of its paid-up share capital and free reserves
9. Appointment of Scrutinizer for E-voting/Ballot voting at the 25th Annual General Meeting of the Company

The information is also available on the Company's website www.ashianaispat.in and also on the website of BSE where the company's shares are listed.

By Order of the Board
For Ashiana Ispat Limited
Sd/-
(Naresh Chand Jain)
Chairman
DIN: 00004500
Place : Bhiwadi
Date : 20.07.2017

बिज़नेस स्टैंडर्ड
दिल्ली संस्करण

बिज़नेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक नंदन सिंह रावत द्वारा जागरण प्रकाशन लिमिटेड, डी 210,211, सेक्टर-63, नोएडा-201301 , उ0प्र0 से मुद्रित एवं नेहरु हाउस, 4 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित
संपादक भूपेश भन्डारी

आरएनआई न0 DELHIN/2008/27804
पाठक संपादक को **lettershindi@bsmail.in** पर संदेश भेज सकते हैं1
टेलीफोन- 011-23720202-10 फैक्स 011-23720201
सब्सक्रिप्शन और सर्कुलेशन के लिए कृपया सम्पर्क करें..
सुश्री मानसी सिंह
हेड कस्टमर रिलेशन्स
बिज़नेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड, तीसरी और चौथी मंजिल, बिल्डिंग एच, पैरागन सेंटर, सेंचुरी मिल्स के सामने, पी बी मार्ग, वर्ली, मुंबई 400 013
ई मेल.. **subs_bs@bsmail.in**
या 57007 पर एसएमएस करें **SUB BS**

डिस्क्लेमर.. बिज़नेस स्टैंडर्ड में प्रकाशित समाचार रिपोर्ट और फीचर लेखों के माध्यम से बाजारों, कॉर्पोरेट जगत और सरकार से जुड़ी घटनाओं की निष्पक्ष तस्वीर पेश करने का प्रयास किया जाता है1 बिज़नेस स्टैंडर्ड के नियंत्रण एवं जानकारी से परे परिस्थितियों के कारण वास्तविक घटनाक्रम भिन्न हो सकते हैं। समाचार पत्र में प्रकाशित रिपोर्टों के आधार पर पाठकों द्वारा किए जाने वाले निवेश और लिए जाने वाले कारोबारी निर्णयों के लिए बिज़नेस स्टैंडर्ड कोई जिम्मेदारी नहीं लेता है। पाठकों से स्वयं निर्णय लेने की अपेक्षा की जाती है। बिज़नेस स्टैंडर्ड के सभी विज्ञापन सद्भाव में स्वीकार किए जाते हैं। इनके साथ बिज़नेस स्टैंडर्ड न तो जुड़ा हुआ है और न ही उनका समर्थन करता है। विज्ञापनों से संबंधित किसी भी प्रकार का दावा संबंधित विज्ञापनदाता से ही किया जाना चाहिए।
मै0 बिज़नेस स्टैंडर्ड प्रा0 लि0 का सर्वाधिकार सुरक्षित है। बिजनेस स्टैंडर्ड प्रा0 लि0 से लिखित अनुमति लिए बगैर समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी सामग्री का किसी भी तरह प्रकाशन या प्रसारण निषिद्ध है। किसी भी व्यक्ति या वैधानिक निकाय द्वारा इस तरह का निषिद्ध एवं अनधिकृत कार्य करने पर दीवानी और फौजदारी कार्यवाही शुरु की जाएगी।
कोई हवाई अधिभार नहीं

हीरो ने आईएसएल के साथ करार बढ़ाया

उर्वी मलवाणिया
मुंबई, 21 जुलाई

हीरो ने स्टार इंडिया और आईएमजी रिलायंस प्रवर्तित इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के साथ मुख्य प्रायोजन के अपने अनुबंध को तीन साल और बढ़ा दिया है। कंपनी ने इस घरेलू फुटबॉल टूर्नामेंट में अपना निवेश तिगुना कर दिया है। कंपनी इस लीग की शुरुआत से इससे जुड़ी हुई है। हीरो ने आईएसएल के साथ पिछला करार तीन साल के लिए 8 डॉलर (करीब 51 करोड़ रुपये) में किया था। अगले तीन साल के लिए नया करार करीब 2.5 करोड़ डॉलर (160 करोड़ रुपये) में होने का अनुमान है। स्टार इंडिया के एमडी संजय गुप्ता कहते हैं, 'अपनी शुरुआत के बाद के तीन वर्षों में आईएसएल ने खुद को दर्शकों (मैदान के दर्शक) और फॉलोअरशिप (टीवी दर्शक, सोशल मीडिया से जुड़ाव) के लिहाज से सफल साबित किया है। फुटबॉल के बारे में हमारी रणनीति के तहत हमने न केवल खेल को बढ़ावा देने के लिए घरेलू फुटबॉल लीग बनाई है बल्कि दर्शकों को उपलब्ध होने वाले खेलों का दायरा भी बढ़ाने का प्रयास किया है। हीरो का इससे जुड़े रहना हमारी इस धारणा को मजबूत करता है कि यह लीग राजस्व बढ़ाने के लिए भी अहम है।'

हीरो की प्रतिबद्धता स्टेडियम में दिखने और टेलीविजन विज्ञापन के मुख्य प्रायोजक से आगे बढ़ेगी। आईएसएल के मुख्य प्रायोजन का सौदा उतना ही बड़ा है, जितना चीन की मोबाइल हैंडसेट बनाने वाली कंपनी वीवो ने प्रो कबड्डी लीग के मुख्य प्रायोजन के लिए किया है। वीवो ने पांच साल के लिए करार 300 करोड़ रुपये में किया है। आईपीएल के बाद प्रो-कबड्डी सबसे ज्यादा देखा जाने वाला घरेलू खेल टूर्नामेंट है।

दिग्गज दवा फर्में जांच में फेल

पृष्ठ 1 का शेष...

हमारे नमूने उत्पाद एफडीए से मान्यताप्राप्त प्रयोगशालाओं में परीक्षण में खरे उतरे हैं। कंपनी अपने उत्पादों की गुणवत्ता और मरीजों की सुरक्षा को सबसे ज्यादा अहमियत देती है। दूसरी कंपनियों ने इस बारे में बिज़नेस स्टैंडर्ड के सवालों का जवाब नहीं दिया इससे पहले सर्वेक्षण के लिए फरवरी में खुदरा दुकानों से उठाए गए नमूनों में से 3.16 फीसदी गुणवत्ता परीक्षण में नाकाम रहे थे। सर्वेक्षण के मुताबिक सरकारी स्रोतों से हासिल दवाओं में 10.02 फीसदी परीक्षण में नाकाम रहीं। दुनिया में इसकी स्वीकार्यता दर 2 फीसदी है।

ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने इससे पहले कहा था कि भारत को 2 फीसदी के वैश्विक स्तर तक पहुंचने में कम से कम दो साल लगेंगे। दवा कंपनियों और उनकी विनिर्माण इकाइयों पर लगातार नजर रखने के लिए सरकार ने जोखिम आधारित आकलन शुरू किया है। माना जा रहा है कि सरकार अमेरिका और यूरोपीय संघ की तर्ज पर दवा कंपनियों और उनके उत्पादों का आकलन करना चाहती है। भारत से करीब 200 देशों को दवाओं का निर्यात होता है और सरकार वैश्विक मानकों के हिसाब से विनिर्माण प्रक्रिया सुनिश्चित करना चाहती है।

कीमत घटने पर भी नहीं बढ़ी कार बिक्री

अजय मोदी
नई दिल्ली, 21 जुलाई

देश में नई अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू होने के बाद कार कीमतों में आई गिरावट से खुदरा मांग को फिलहाल रफ्तार नहीं मिल पाई है। इस महीने डीलरों की की गई थोक बिक्री में वृद्धि के बावजूद कारों की खुदरा मांग में डीलरों को तात्कालिक गिरावट दिख रही है।

कार कीमतों में गिरावट के बावजूद खुदरा मांग में तेजी न आने कई कारण हैं। पहला, 1 जुलाई से जीएसटी लागू होने पर इनपुट टैक्स क्रेडिट प घाटे से बचने के लिए जून में डीलरों ने भारी छूट के साथ अपना स्टॉक खाली करने की कोशिश की। दूसरा, कार कंपनियों को छोटे व्यापारियों और कारोबारियों से मांग में सुस्ती दिख रही है क्योंकि इस श्रेणी के खरीदार फिलहाल नई कर व्यवस्था जीएसटी पर अमल करने में व्यस्त हैं क्योंकि इससे उनका खुद का कारोबार भी तात्कालिक रूप से प्रभावित हुआ है। कारों की कुल बिक्री में इस श्रेणी के खरीदारों का योगदान करीब 25 से 30 फीसदी है।

कार बनाने वाली देश की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी हुंडई के निदेशक (बिक्री एवं विपणन) राकेश श्रीवास्तव ने कहा, 'जुलाई में खुदरा मांग कमजोर है। जीएसटी के कारण कई व्यापारियों एवं कारोबारियों के लिए चुनौतियां बढ़ गई हैं। बड़ी तादाद में ऐसे खरीदारों के लिए जीएसटी नोटबंदी के मुकाबले कहीं बड़ी चुनौती बन गई है और उनके लिए भविष्य अनिश्चित दिख रहा है। उन्हें स्थिर होने में थोड़ा वक्त लगेगा। ऐसे में फिलहाल कार और रियल एस्टेट जैसी अधिक मूल्य की खरीदारी के लिए मांग प्रभावित हो सकती है।'

देश भर में एकसमान कर व्यवस्था जीएसटी के लागू होने के बाद जुलाई से सभी कार कंपनियों ने दाम घटाए हैं। छोटी कार की कीमतों में औसतन दो से तीन फीसदी की कमी की गई है जबकि बड़ी एवं लक्जरी वाहनों की कीमतों में 10 फीसदी तक की बढ़ोतरी की गई है। लेकिन इसका तत्काल प्रभाव बिक्री पर नहीं दिख रहा है।

अधिकतर कंपनियां इस महीने डीलरों को की गई थोक बिक्री में दो अंकों की वृद्धि दर्ज करेंगी क्योंकि डीलरों ने अपने पिछले स्टॉक को पूरी तरह खाली कर लिया और जून में मामूली इन्वेंट्री के साथ जीएसटी की आगवानी की।

मर्सिडीज बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्याधिकारी रोलैंड फोल्गर ने कहा, 'हमें यह देखना अभी बाकी है कि जीएसटी के लागू होने से ग्राहक धारणा कहां तक प्रभावित हुई है। इस प्रकार की पहल कुछ हद तक विघटनकारी होती हैं और कुल मिलाकर धारणाओं एवं भावनाओं को प्रभावित करती हैं। सबकुछ सामान्य होने में चार से आठ सप्ताह लग सकते हैं। वाहन खरीदने की चाहत रखने वाला हरेक व्यक्ति यह भी जानना चाहता है कि जीएसटी से उसका कारोबार किस प्रकार प्रभावित होगा। वे यह जानना चाहते हैं कि कहीं वे वित्तीय संकट में तो नहीं फंसने जा रहे हैं क्योंकि जीएसटी के तहत उन्हें कहीं अधिक पारदर्शिता के साथ अधिक कर भुगतान करना पड़ेगा।'

- 1 जुलाई से जीएसटी लागू होने पर इनपुट टैक्स क्रेडिट प घाटे से बचने के लिए जून में डीलरों ने भारी छूट के साथ अपना स्टॉक खाली करने की कोशिश की
- कार कंपनियों को छोटे व्यापारियों और कारोबारियों से मांग में सुस्ती दिख रही है
- कारों की कुल बिक्री में इस श्रेणी के खरीदारों का योगदान करीब 25 से 30 फीसदी है